उत्तराखंड में भूमि अवतलन

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **उत्तराखंड** मानसून की वर्षा के कारण बुरी तरह प्रभावित है, जिससे सड़कों और आवासीय भवनों को अत्यधिक नुकसान पहुँचा है।

- मानसून के आगमन के बाद से राज्य में लगातार वर्षा हो रही है, जिसके कारण मौसम संबंधी चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

मुख्य बिंदु:

- **कुंड-ऊखीमठ-चोपता-गोपेश्वर राजमार्ग** पर कई भूस्खलन हुए हैं, जबकि कुंड में मंदाकिनी नदी **पर बना लोहे का पुल,** जो रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग को केदारघाटी और केदारनाथ से जोड़ता है, नदी की तेज़ धाराओं के कारण **खतरे में है।**
- राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण प्रभाग ने पुल निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और तत्काल **पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया।**
- उत्तराखंड सरकार ने **प्रभावित क्षेत्रों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है** तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये आपातकालीन सेवाएँ तैयार रखी हैं।
- स्थिति पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है तथा **निवासियों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।**

मंदाकिनी नदी

- यह उत्तराखंड में अलकनंदा नदी की एक सहायक नदी है।
- यह नदी रुद्रप्रयाग और सोनप्रयाग क्षेत्रों के बीच लगभग 81 किलोमीटर तक बहती है तथा चोराबाड़ी ग्लेशियर से निकलती है।
- मंदाकिनी नदी सोनप्रयाग में सोनगंगा नदी से मिल जाती है और **उखीमठ में** मध्यमहेश्वर मंदिर **के पास से प्रवाहित होती है।**
- अपने मार्ग के अंत में यह अलकनंदा में मिल जाती है, जो गंगा में मिल जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/land-subsidence-in-uttarakhand